

मोरछड़ी | By Surendra Jangid

मोरछड़ी बाबा मोरछड़ी
सर पे घुमा दो मोरछड़ी
कलयुग के अवतारी बाबा
मेरी नैया अटकी पड़ी

कलयुग के अवतारी बाबा
विनती मेरी सुनलो ये
ग्यारस की बारस पर बाबा
तेरे दर पर आऊं जी
ऐसी कृपा करो सांवरे
हारा हुआ जीत जाऊं जी

तेरे दर पर आकर बाबा
सब कुछ भूल मैं जाऊं जी
सब भक्तों की विनती सुनके
मेरी भी बाबा सुनलो जी
सब जगह से हार गया हूँ
और मुझे ना हराओ जी

लखदातारी तेरी बाबा
लाखों रोज लुटावे जी
विपदा मुझ पर आ पड़ी है
रास्ता मुझको दिखाओ जी
खाटू वाले श्याम धणी थाने
श्याम बहादुर बुलावै जी

बैलगाड़ी से चल कर बाबा
पहुँच गए रेवाड़ी भी
अपने भक्त की पीड़ा सुनकर
मोरछड़ी लहराई जी
मोरछड़ी की महिमा निराली
श्याम बहादुर गावे जी
मोरछड़ी बाबा मोरछड़ी.....

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%8b%e0%a4%b0%e0%a4%9b%e0%a4%a1%e0%a4%bc%e0%a5%80-by-surendra-jangid/>